CAMBRIAN PUBLIC SCHOOL

KANKE ROAD, RANCHI

SESSION – 2024-2025

CLASS - 5 SUBJECT – SANSKRIT

LEARNING PLAN OUTCOMES

Serial No.	Month	Name of the chapters	• Learning outcomes
1	अप्रैल	**अमृतम् संस्कृत पाठमाला प्रवेशिका**	
		पाठ 1.वर्णमाला	• स्वरवर्ण तथा व्यंजन वर्ण को पहचानने की कला का विकास।
		पाठ 2.संयुक्त-व्यंजनानि,वर्णसंयोजनं वियोजनं च	• वर्णों को जोड़कर शब्द निर्माण करने में सक्षम होंगे।
		संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका	
		पाठ 2 शब्दरूपाणि	• संस्कृत-वाक्यनिर्माण में दक्ष हो सकेंगे ।
		पाठ 3 धातुरूपाणि	• क्रियापदों का ज्ञान ।
2	मई	पाठ 3 अकारांत -पुल्लिंग	• पुल्लिंग शब्दों को पहचानने की शक्ति का विकास।
		शब्द -परिचयः	• संस्कृतसंख्या का ज्ञान होगा ।
		पाठ 6 संख्या	• शब्द भंडार में वृद्धि, लेखन क्षमता का विकास ।
3	जून	पाठ 4 आकारांत – स्त्रीलिंग- शब्द-परिचयः	• अकारांत,आकारांत शब्दों को पहचान कर लिंगों के अनुसार विभाजित करने की कला का विकास ।
		पाठ 5 अकारांत - नपुंसकलिंग शब्द -परिचयः	
		पाठ 4 कारकाणि	• विभक्तियों तथा वचनों को पहचानने तथा वाक्य निर्माण करने में कुशल होंगे ।
		पाठ 5 अव्ययानि	• चिंतनशैली का विकास ।
4	जुलाई	पाठ 6 सर्वनाम -परिचयः	• क्रियापद के ज्ञान से वाक्यनिर्माण में सक्षम होंगे ।
		पाठ 2 शब्दरूपाणि	• वाक्यरचनाकौशल का विकास ।
		पाठ 3 धातुरूपाणि	• कल्पनाशक्ति का विकास।
5	अगस्त	पाठ-7. धातु-परिचयः (क्रियापद-परिचयः)	• संस्कृतभाषा मेंअनुवाद के लिए क्रियापदों के प्रयोग का ज्ञान होगा।
		पाठ 7 अपठित-अवबोधनम्	• स्मरणशक्ति का विकास होगा।

		पाठ 9 चित्रलेखनम्	• वाक्यनिर्माण में सक्षम होंगे।
		पाठ 10 अनुवादाः	• कल्पना शक्ति का विकास ।
6	सितंबर	पुनरावृत्तिः-अभ्यासकार्यम्	• अभ्यासकार्य से भाषा को अतिशीघ्र सीखा जाएगा।
			• पूर्वपठितपाठों का अभ्यास होगा।
7	अक्टूबर	पाठ 8 प्रथम-पुरुष (त्रिलिंगः तथा सर्वनामप्रयोगः)	• विभक्तियों तथा वचनों को पहचानने तथा वाक्य निर्माण करने में कुशल होंगे ।
		पाठ 9.मध्यम-पुरुष (त्रिलिंगः-प्रयोगः)	• संस्कृतभाषा का ज्ञान होगा ।
		पाठ 1 वर्णमाला	• वर्णो का ज्ञान।
		पाठ 2 शब्दरूपाणि	• सरलसंस्कृत का ज्ञान , विचारप्रस्तुत की कला का ज्ञान ।
		पाठ 3 धातुरूपाणि	• संस्कृतभाषा विभिन्नशब्दों का ज्ञान ।
			• क्रियारूपों का ज्ञान ।
8	नवम्बर	पाठ 10.उत्तम-पुरुषः (त्रिलिंगः-प्रयोगः)	• शब्दों को पहचान कर लिंगों के अनुसार विभाजित करने की कला का विकास ।
		पाठ 11.कारक- परिचयः	• वाक्यनिर्माण में सक्षम होंगे।
		पाठ 7 अपठित-अवबोधनम्	• लैखन-क्षमता का विकास ।
		पाठ 9 चित्रलेखनम्	• संस्कृत लिखने पढने में कुशलता ।
9	दिसम्बर	पाठ 12. अव्यय- परिचयः	• वाक्यों मे अव्यय प्रयोग का ज्ञान।
		पाठ 5 अव्ययानि	• कल्पना शक्ति का विकास ।
		पाठ 10 अनुवादाः	• शब्द भंडार में वृद्धि, लेखन क्षमता का विकास ।
10	जनवरी	पाठ 13.संख्या	• सस्कृतसंख्या का ज्ञान होगा ।
		पाठ 15 श्लोका:	• नैतिकशिक्षा का ज्ञान ।
		पाठ 2 शब्दरूपाणि	• छात्र व्यवहारकुशल एवं विनम्र होंगे ।
		पाठ 3 धातुरूपाणि	• स्मरणशक्ति का विकास ।
			• भाषा ज्ञान में वृद्थि ।
11	फरवरी	पुनरावृत्तिः-अभ्यासकार्यम्	• पूर्वपठितपाठों का अभ्यास होगा।
			• अभ्यासकार्य के द्वारा भाषा के ज्ञान में वृद्धि होगा।